

No. of Printed Pages : 6

MBG-003

M. A. (BHAGWADGITA STUDIES)

(MABGS)

Term-End Examination

June, 2026

**MBG-003 : KARM SANYASA-ATMASANYAM
EVAM GYANVIGYAN**

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

Note : (i) *This question paper is in two Sections. Both Sections are compulsory.*

(ii) *Attempt questions from both Sections as per instructions given.*

Section—A

Note : *Answer any **four** of the following questions.* *4×15=60*

1. Describe the concept of Ekātmanānavavāda in the Gītā.

2. Describe 'Personality' according to the Gītā.
3. Outline the principles of Repetition and Detachment in Life.
4. Define Mental Health.
5. Explain the meaning of Karmasamnyāsa.
6. Describe Worldly Conduct and Knowledge.
7. Describe the Succession of Yoga.

Section—B

Note : Answer any **four** of the following questions. 4×10=40

1. Explain the meaning of the Self-Control.
2. Write about the role of Gītā in the management of Mental Health.
3. Describe the Life in Motion According to the Gītā.
4. Explain the defining elements of Personality.
5. Mention the means for controlling the mind.

6. Describe Discipline on the basis of the Gītā.
7. Explain the following :

बलं बलवतामस्मि कामरागविर्विजतम् ।

धर्माविरुद्धो भूतेषु कामोऽस्मि भरतर्षभ ! । ।

MBG-003

एम. ए. (भगवद्गीता अध्ययन)

(एम. ए. बी. जी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.बी.जी.-003 : कर्मसंन्यास-आत्मसंयम एवं

ज्ञानविज्ञान

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : (i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

(ii) दोनों खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

4×15=60

1. गीता में एकात्ममानववाद की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

2. गीता के अनुसार व्यक्तित्व का वर्णन कीजिए।
3. जीवन में अभ्यास एवं वैराग्य का निरूपण कीजिए।
4. मानसिक स्वास्थ्य का निरूपण कीजिए।
5. कर्मसंन्यास का अभिप्राय लिखिए।
6. लोक व्यवहार और ज्ञान का वर्णन कीजिए।
7. योग की परम्परा का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

4×10=40

1. आत्मसंयम का अभिप्राय लिखिए।
2. मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन में गीता की भूमिका लिखिए।
3. गीता के अनुसार क्रियाशील जीवन का वर्णन कीजिए।
4. व्यक्तित्व के निर्धारक तत्वों का उल्लेख कीजिए।
5. मनसंयम के उपायों का उल्लेख कीजिए।

6. गीता के आधार पर अनुशासन का वर्णन कीजिए।
7. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

बलं बलवतामस्मि कामरागविर्विजतम्।

धर्माविरुद्धो भूतेषु कामोऽस्मि भरतर्षभ!!।।

× × × × ×